खुद को आत्मा समझकर करो बाबा को याद
विनाशी इच्छाएं त्यागो और बंद करो फरियाद
सुनहरे स्वर्ग के वर्से के तुम बच्चे हो अधिकारी
भक्ति मार्ग के संस्कारों की छोड़ो अब लाचारी
मन बुद्धि को वश कर जगाओ ईश्वरीय संस्कार
स्वर्ग में ऊँच पद पाने का बस एक यही आधार
मन में संकल्प चले कि अब मुझको घर जाना है
देह के बन्धनों में अब खुद को नहीं उलझाना है
मोहजीत मायाजीत बनकर बाबा को दिखाना है
अपनी संपूर्णता के आगे धर्मराज को झुकाना है
एक बल एक भरोसा जीवन नैया पार लगाएगा
एक शिव बाबा ही हमें सर्व दुखों से छुड़ाएगा
आओ हम सब मिलकर करें ये शुद्ध संकल्प
बाबा की याद में रहेंगे छोड़कर सारे विकल्प
हम बाबा के बच्चे समझदार और आज्ञाकारी
श्रीमत के बल पर बनेगी स्वर्ग ये दुनिया सारी
ॐ शांति